प्रेस विज्ञप्ति

मिंट सस्टेनेबिलिटी समिट: इरेडा के सीएमडी ने देशभर में स्वच्छ ऊर्जा वित्तपोषण को गति देने की प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली, 3 सितंबर, 2025

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने आज नई दिल्ली के ताज पैलेस में आयोजित मिंट सस्टेनेबिलिटी समिट में "जलवायु-अनुकूल भारत के लिए स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार - नीति, वित्तपोषण और प्रणाली वितरण को जोड़ना" शीर्षक पर एक प्रतिष्ठित पैनल चर्चा में भाग लिया।

श्री दास ने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय प्रगति के बारे में प्रकाश डाला और बताया कि देश की संस्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जुलाई 2025 तक 237 गीगावाट तक पहुँच गई , जिसमें से 50% गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों के माध्यम से है —जोकि निर्धारित समय से पाँच साल पहले ही हासिल कर ली गई है। वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट के लक्ष्य को पूरी करने के लिए, उन्होंने लगभग 50 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा की वार्षिक वृद्धि की आवश्यकता के बारे में ज़ोर दिया।

विनिर्माण के क्षेत्र में, श्री दास ने वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान 38 गीगावाट सौर मॉड्यूल क्षमता से वर्ष 2025 में 100 गीगावाट तक की छलांग लगाने के बारे में ज़ोर दिया, जोकि लगभग पूर्ण आयात के निर्भरता से मूल्य श्रृंखला में आत्मनिर्भरता की मार्ग में एक बदलाव का प्रतीक है। हालाँकि पॉलीसिलिकॉन और वेफ़र्स जैसे अपस्ट्रीम घटकों में चुनौतियाँ बनी हुई हैं, और भारत, घरेलू माँग को पूरी करने के लिए और अन्य विकासशील देशों को सहयोग करने के लिए तैयार है।

उन्होंने हरित ऊर्जा गलियारों और शीघ्र भूमि परिवर्तन के महत्व के बारे में ज़ोर दिया और कर्नाटक की सुव्यवस्थित अनुमोदन प्रक्रिया का उदाहरण दिया। इन व्यवस्थागत कमियों को दूर करते हुए, उन्होंने डिस्कॉम, स्मार्ट मीटरिंग, भुगतान सुरक्षा और नवीकरणीय क्रय दायित्वों (आरपीओ) के प्रवर्तन में सुधारों का आह्वान किया।

वित्तपोषण के संदर्भ में, श्री दास ने बॉण्ड बाज़ारों को मज़बूत बनाकर और एनबीएफसी को और अधिक मज़बूत करके वर्ष 2030 तक ₹30 लाख करोड़ जुटाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने 30 गीगावाट से अधिक का वित्तपोषण करने वाला इरेडा के नेतृत्व और देश भर में स्वच्छ ऊर्जा वित्तपोषण को बढ़ावा देने के लिए अपने मिशन के बारे में पुनः पुष्टि की।